रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-20112020-223208
CG-DL-E-20112020-223208

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 513] नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 20, 2020/कार्तिक 29, 1942
No. 513] NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 20, 2020/KARTIKA 29, 1942

भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 2020

फा. सं. 4-90/2018- पीजी. विनियमन (आयुर्वेद).—भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद अधिनियम, 1970 (1970 का 48) की धारा 36 की उपधारा (1) के अनुच्छेद (झ), (ञ) और (ट) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद, केंद्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति के साथ भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद (स्नातकोत्तर आयुर्वेद शिक्षा) विनियमन, 2016 में एतदद्वारा निम्नलिखित विनियमन बनाते हुए आगे और संशोधन करती है, अर्थात:—

1. **लघु शीर्ष और प्रारंभः**—(1) इन विनियमों को भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद (स्नातकोत्तर आयुर्वेद शिक्षा) संशोधन विनियम, 2020 कहा जाएगा।

(2) ये विनियम शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से लागू हो जाएंगे।

2. भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद (स्नातकोत्तर आयुर्वेद शिक्षा) विनियम, 2016 में विनियम 10 में, उप विनियम (8) के पश्चात निम्नलिखित उप-विनियम प्रतिस्थापित होंगे, नामतः-

"(9) अध्ययन अवधि के दौरान शल्य और शालाक्य के स्नातकोत्तर अध्येता को निम्नलिखित कार्यकलापों से परिचित होने के साथ-साथ उनका स्वतंत्र रूप से निष्पादन करने के लिए व्यावहारिक रूप से प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि वह अपनी स्नातकोत्तर डिग्री पूरी करने के पश्चात निम्नलिखित प्रक्रियाओं को स्वतंत्र रूप से निष्पादित करने में सक्षम हो सकेः

एमएस (आयुर्वेद) शल्य तंत्र – (सामान्य शल्य)

प्रक्रियाएं

1. दुष्टनिजव्रणकालेखन/छेदन(डेब्राइडमेंट/फेसियोटोमी/केरेटेज)
2. विद्रधिका भेदन और गुदविद्रधि के फोड़े का भेदन और निष्कासन, स्तन विद्रधि (पेरियनलअबसेस, स्तन अबसेस, एक्सिलरी अबसेस, सेलुलाइटिस आदि)।
3. संधान कर्म सभी प्रकार की त्वचा ग्राफ्टिंग (एसएसजी, ईईजी, क्रॉस फ्लैप), कर्ण पालिसंधान (इयर लोब रिपेयर)आदि।
4. ग्रन्थि, अर्बुद का छेदन कर्म, सामान्य सिस्ट का उच्छेदन (सेबासियस सिस्ट, डर्मोइड सिस्ट, म्यूकोसल सिस्ट, रिटेंशन सिस्ट) आदि/नॉन वाइटल आर्गन्स के सुसाध्य ट्यूमर (लाइपोमा, फाइब्रोमा, स्कवानोमेएटेक) का उच्छेदन।
5. सिरा-स्नायुकोथ का छेदन कर्म। (गैंग्रीन का उच्छेदन/विच्छेदन)।
6. सद्यो-व्रण प्रबंधन (अभिघातजघाव काप्रबंधन):-

   (क) सीवन कर्म (सभी प्रकार के स्युचरिंग, हेमोस्टेटिक लिगेचर्स);

   (ख) सिरा-कंडरा-स्नायुकासंधानकर्म (लिगेशन एंड रिपेयर ऑफ टेंडन एंड मसल्स)।
7. प्राणष्टशल्यनिर्हरण (नॉन वाइटल आर्गन्स सेधात्विक और गैर-धात्विक बाहरी तत्वों कानिष्कासन)।
8. भग्न चिकित्सा: - आंछन- पीडन - संक्षेप- कुशबन्धन (क्लोजरिडक्शन, स्थिरीकरण, स्पिलिंट्स/कास्ट)।
9. संधिमोक्ष (संधिभ्रंश और अपूर्णसन्धिभ्रंश में कमी)।
10. उदर रोग निदानचिकित्सा/दकोदरविस्रावन (लैप्रोटॉमी/पेरेटसिंटेसिस)।
11. अर्श -क्षारकर्म, छेदन (हीमोरायडेक्टॉमी के विभिन्न तरीके), रबर बैंड लिगेशन, स्क्लेरोथेरेपी, आईआरसी, रेडियो फ्रीक्वेंसी/लेजर एब्लेशन, आदि।
12. परिकर्तिकासन्निरुद्ध गुदा (एनो में फिशर - गुदा डिलेटेशन, स्फिंक्टरोटॉमी ऐनोप्लास्टी)।
13. भगंदरछेदन, क्षारसूत्र (फिस्टुलेक्टॉमी, फिस्टुलोटॉमी)।
14. नाडीव्रणछेदन, क्षारसूत्र (पायलोनिडल साइनस का उच्छेदन)।
15. गुदा-भ्रंश- संधान कर्म (विभिन्न रिक्टोपेक्सीज़)।
16. अश्मरी- निर्हरण (सुप्राप्यूबिकसिस्टोस्टॉमी/सिस्टोलिथोटॉमी)।
17. मूत्रग्रह/मूत्रकृच्छ्र- मूत्रमार्ग विवर्धन (यूरेथ्रल डिलेटेशन,मीटोमी)।
18. निरुद्ध प्रकश (फिमोसिस), परिवर्तिका(पैराफिमोसिस) परिच्छेदन।
19. वृद्धिरोग चिकित्सा, संधान कर्म। (जन्मजात/वंक्षण/नाभिसम्बन्धी/अंधिगठर/फीमोरल/ इनसिस्जनलहर्निया: - हर्नियोटॉमी, हर्नियोग्राफी, हर्नीओप्लास्टी)।
20. मूत्रवृद्धि-वेधन (हाइड्रोसील एवरशन ऑफ सैक)।
21. वक्षीय आघात के लिए इंटरकोस्टल ड्रेन।
22. हेमैंगीओमा का लिगेशन, वैस्कुलर लिगेशन, वैरिकोसील कालिगेशन, वैरिकोज़ वेन्स/स्ट्रिपिंग सर्जरी।
23. स्तनग्रंथि/अर्बुदछेदन, सुसाध्य घावों, स्तन कीगांठ/ट्यूमर काउच्छेदन,लंप बायोप्सी।
24. आशुकारीउदरशूलशस्त्र कर्म-उदरपातन (एक्सप्लोरेटरीलैपरोटॉमी)।
25. उदरसे बाहरी तत्वों की निकासी। पाइलोरोमियोटॉमी।

26. स्रोतोदर्शनार्थ-क्रियासौकर्य के लिए उन्नत नाड़ियंत्र का उपयोग (वीडियो प्रोक्टोस्कोपी, सिग्मोइडोस्कोपी)

27. इलियोस्टोमी, कोलोस्टोमी, इमरजेंसी में रिसेक्शन एनास्टोमोसिस।

28. सिग्मायोडोस्कोपिक बायोप्सी, पॉलीपेक्टॉमी।

29. उंडुकपुच्छशोथ (एपेंडिसेक्टोमी)।

30. अभ्यंतरविद्रधि का वेधन-विस्रावन(एपेंडिकुलरफोड़ा आदि)।

31. पित्ताश्मरिनिर्हरण-छेदन (कोलेसीस्टेक्टोमी)।

32. लैरिंजल मास्क एयरवे, इंटुबेशन, बैग/मास्क वेंटिलेशन।

33. सुप्राप्यूबिक सिस्टोस्टॉमी।

34. सुप्राप्यूबिक सिस्टोलिथोटॉमी।

35. कैल्सिफाइड प्लाक पाइरोनीज डिसीज़ का छेदन।

36. ऑर्किडोपेक्सी।

37. ऑर्किडेक्टॉमी।

38. वैरिकोसीलहाई लिगेशन।

39. स्पर्मेटोसील, काइलोसील, पोयोसील, हेमाटोसील ड्रेनेज

एमएस(आयुर्वेद)शालाक्य तंत्र

(आंख, कान, नाक, कंठनाली, माथा, ओरो-डेंटिस्ट्री रोग)

प्रक्रियाएं

नेत्र - (आंख)

1. वर्त्मगतरोग (पलकों के रोग): -

(क) वातहतवर्तमशस्त्रकर्म (टोसिसके लिए सर्जरी यानी स्लिंग सर्जरी);

(ख) वर्त्मविकृतिः- शस्त्रकर्म (एक्ट्रोपियन और एन्ट्रोपियन - सुधार सर्जरी);

(ग) लगण - भेदन और लेखनशस्त्रकर्म (कलैजियन - छेदन और निष्कासन/क्युरेटेज);

(घ) अघातक वर्त्म अर्बुद- छेदन कर्म (सुसाध्यलिड ट्यूमर –उच्छेदन सर्जरी)।

2. शुक्लगत रोग: -

अर्म - छेदनशस्त्रकर्म (टेरिजियम –एक्सिजनएंड कंजंक्टिवल लिंबल ऑटोग्राफ/एमनियोटिक मेम्ब्रेनग्राफ्ट)।

3. कृष्णगत रोग: -

अजकाजात - छेदन कर्म (आइरिस प्रोलैप्स-एक्सिशन सर्जरी)।

4. सर्वगत रोग: -

अधिमंथ - भेदनशस्त्रकर्म (ग्लूकोमा-ट्रैबेकुलेटोमी)।

5. नयनाभिघात (आँख को आघात): - भ्रू, वर्त्म, शुक्लमंडल, कृष्णमण्डलाभिघात - संधानशस्त्रकर्म। (आई ब्रो, लिड, कंजक्टिवा, स्लेरा एंड कॉर्निया- ट्रामारिपेयरसर्जरी)।

6. त्रियकनेत्र: - प्राकृतनेत्रस्थापनशस्त्रकर्म(भेंगेपन की सर्जरी- एसोट्रोपिया, एक्सोट्रोपिया, हॉरिजोंटलमसल रिसेक्शन एंड रिसेशन)।

7. पुयालस: - भेदन/छेदनशस्त्रकर्म (डेक्रोसिसटाइटिस- डीसीटी/डेक्रोसिस्टोरिनोस्टॉमी [डीसीआर])।

8. लिंगनाश (कफज) शस्त्रकर्म- मोतियाबिंद सर्जरी- आईओएल प्रत्यारोपण सर्जरी सेमोतियाबिंद निष्कर्षण: -

(क) इंट्राकैप्सुलर मोतियाबिंद निष्कर्षण (आईसीसीई);

(ख) अतिरिक्त कैप्सुलर मोतियाबिंद निष्कर्षण (ईसीसीई);

(ग) ह्रस्वभेदन मोतियाबिंद सर्जरी (एसआईसीएस);

(घ) फकोएमूल्सिफिकटीओन

आईओएल के प्रकार: -

(I) पीसीआईओएल;

(II) एसीआईओएल;

(III) आइरिस फिक्सेटेड आईओएल।

9. आंख में स्थानिकसंज्ञाहरण (लोकल एनेस्थेसिया)। (नेत्र विज्ञान):-

(क) पेरीबलबार;

क) रेट्रोबलबार;

ख) पैराबलबार;

ग) इंट्रा कैमरल।

नासा (नोज)

1. नासाजवनिकवक्रता - शस्त्रकर्म (विसामान्य नाक कीसेप्टम सर्जरी- सेप्टोप्लास्टी/एसएमआर)।
2. नासार्श - छेदनशस्त्रकर्म (नेसल पॉलीप पॉलीओक्टोमी)।

   एफईएसएस सर्जरी का ज्ञान - कार्यात्मक एंडोस्कोपिक साइनस सर्जरी।
3. अघातजनासाविकृति- नासासंधान(विकृत नासा - राइनोप्लास्टी)।

कर्ण (ईयर)

- कर्णपालिसंधानशस्त्रकर्म (विदीर्णकर्ण पिंडिका- लोब्यूलोप्लास्टी)।
- आशुकारीमध्यकर्णशोथ - भेदनशस्त्रकर्म (एक्यूट सुप्युरेटिव ओटिटिस मीडिया/ग्लू इयर/सेक्रेटरी या सीरस ओटिटिस मीडिया- मायरिंगोटॉमी)।
- जीर्णमध्यकर्णशोथशस्त्रकर्म का ज्ञान (क्रोनिक सुप्युरेटिव ओटिटिस मीडिया- सुरक्षित:- टाइमपैनोप्लास्टीअसुरक्षित: - मस्टोइडेक्टॉमी)।

मुखरोग

1. गलरोग (थ्रोट डिजीज़): -

गलकोष;

(क) अशुकारीगिलायुवृद्धि - भेदनशस्त्र कर्म (पेरिटोंसिलरफोड़ा - क्विंसी) - छेदन और निष्कासन;

(ख) जीर्णगिलायुशोथ- गिलायुनिर्हरणशस्त्रकर्म (क्रोनिक टॉन्सिलाइटिस - टॉन्सिलोटॉमी)।

2. ओष्ठगत- ओष्ठभेद- संधानकर्म (हेयरलिप रिपेयर)।

दंत रोग

1. चलदंत- दंतनिर्हरण (लूज टूथ एक्सट्रेक्शन)।
2. कृमिदंत - लेखन और पूर्णशस्त्रकर्म (कैरिजटूथ/टीथ–रूट कैनाल उपचार)।"

शमशाद बानो, रजिस्ट्रार-सह-सचिव

[विज्ञापन-III/4/असा./372/2020-21]

नोट : मूलविनियम अधिसूचना संख्या 4-90/2016-पी.जी.विनियमन, दिनांक 7, नवंबर 2016 के द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-III, खंड 4 में प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन अधिसूचना संख्या सं.4-90/2018-पी.जी विनियमन (आयुर्वेद), दिनांक 24, जुलाई, 2019 के द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-III, खंड 4, दिनांक 29 जुलाई, 2019 में प्रकाशित किए गए थे।

टिप्पणी: अंग्रेजी एवं हिन्दी विनियम में कोई विसंगति पायी जाती है, तो अग्रेंजी विनियम नामतः भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद (स्नातकोत्तर आयुर्वेद शिक्षा) संशोधन विनियम, 2020 को अन्तिम माना जायेगा।

CENTRAL COUNCIL OF INDIAN MEDICINE

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th November, 2020

F. No. 4-90/2018-P.G. Regulation (Ayurved).—In exercise of the powers conferred by clauses (i), (j) and (k) of sub-section (1) of section 36 of the Indian Medicine Central Council Act, 1970 (48 of 1970), the Central Council of Indian Medicine, with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following regulations further to amend the Indian Medicine Central Council (Post Graduate Ayurveda Education) Regulations, 2016, namely:-

1. Short title and commencement.-(1) These regulations may be called the Indian Medicine Central Council (Post Graduate Ayurveda Education) Amendment Regulations, 2020.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Medicine Central Council (Post Graduate Ayurveda Education) Regulations, 2016,in regulation 10, after sub-regulation(8), the following sub-regulation shall be inserted, namely:-

"(9) During the period of study, the PG scholar of Shalya and Shalakya shall be practically trained to acquaint with as well as to independently perform the following activities so that after completion of his PG degree, he is able to perform the following procedures independently:-

MS (AYURVED) SHALYA TANTRA – (GENERAL SURGERY)

Procedures

1. Lekhana / Chhedana of DushtaNijaVrana (Debridement/fasciotomy / Currettage)
2. Bhedana of Vidradhi Incision and Drainage of abscess Gudvidradhi, Stan vidradhi, (Perianal abscess, breast abscess, Axillary abscess, cellulitis, etc.).
3. Sandhan Karma all types of skin Grafting (SSG, EEG, Cross Flaps) KarnaPaliSandhan (ear lobe repair), etc.
4. Chhedan Karma of Granthi, Arbuda, Excision of simple cyst (Sebaceous cyst, Dermoid cyst, mucosal cyst, retension cyst) etc. / benign tumours (lipoma, fibroma, schwanomaetc) of Non vital Organs.
5. Chhedan Karma of Sira-SnayuKotha. (Excision / amputation of gangrene).

6. Sadyo-vrana management (traumatic wound management):-
   (a) Sivan karma (all types of suturing, Haemostatic ligatures);
   (b) Sandhan Karma of sira-kandara-snayu (Ligation and repair of tendon and muscles).
7. PranashtaShalyaNirharan (Removal of metallic and non-metalic foreign bodies from non vital organs).
8. BhagnaChikitsa:-Aanchhan- Pidan – Sankshep – KushaBandhan (close reduction, immobilization, splints/cast).
9. Sandhimoksha (reduction of dislocation and subluxation).
10. Udarrognidanchikitsa, / dakodarVisravan (Laprotomy/ paracentesis).
11. Arsha – Ksharkarma, Chhedan (various methods of haemorrhoidectomy), rubber band Ligation, Sclerotherapy, IRC, Radio frequency / Laser ablation, etc.
12. ParikartikaSanniruddhaGuda (Fissure in ano – Anal Dilatation, SphincterotomyAnoplasty).
13. BhagandarChhedan, Ksharsutra (Fistulectomy, Fistulotomy).
14. NadivranaChhedan, Ksharsutra (Excision of pilonidal sinus).
15. Guda-bhransha- Sandhan Karma (various Rectopexies).
16. Ashmari- Nirharan (suprapubiccystostomy/cystolithotomy).
17. Mutragraha/ Mutrakrichha- MutramargVivardhan (Urethral Dilatation, meatomy).
18. NiruddhaPrakash (Phimosis), Parivartika (Paraphimosis) Circumcision.
19. VriddhiRogaChikitsa, Sandhan Karma. (Congenital/ Inguinal/ Umbilical / Epigastric/ Femoral/ Incisional Hernia :-Herniotomy, Herniorraphy, Hernioplasty).
20. Mutravriddhi-Vedhan (Hydrocele Eversion of Sac).
21. Intercostal Drain for thorasic trauma.
22. Ligation of Haemangioma, Vascular ligation, Ligation of varicocele, varicose veins/ stripping surgery.
23. Stan Granthi / ArbudaChhedan. Excision of benign lesions, cyst/ tumour of breast, Lump biopsy.
24. AshukariUdarshoolshastra karma-Udarpatan (Exploratory laparotomy).
25. Foreign body removal from stomach. Pyloromyotomy.
26. Use of Advanced Nadiyantra for *strotodarshanarth-kriyasaukarya*. (Video proctoscopy, Sigmoidoscopy)
27. Ileostomy, colostomy, Resection anastomosis in emergency.
28. Sigmoidoscopic biopsies, polypectomy.
29. UnddukpuchhaShoth (Appendisectomy).
30. Vedhan-Visravan of AbhyantarVidradhi (appendicular abscess etc.).
31. PittashmariNirharan-chhedan (Cholecystectomy).
32. Laryngeal Mask Airway, Intubation, Bag/Mask Ventillation.
33. SuprapubicCystostomy.
34. SuprapubicCystolithotomy.
35. Excision of Calcified Plaque Peyronie's Disease.
36. Orchidopexy.
37. Orchidectomy.

38. Varicocele High Ligation.
39. Spermatocele, Chylocele, Pyocele, Hematocele Drainage.

MS (AYURVED) SHALAKYA TANTRA

(DISEASES OF EYE, EAR, NOSE, THROAT, HEAD, ORO-DENTISTRY)

Procedures

Netra – (Eye)

1. Vartmagataroga (Diseases of Eyelids):-
   (a) VatahatvartmaShastrkarma (surgery for ptosis i.e. sling surgery);
   (b) Vartmavikruti- Shastrkarma (Ectropion&Entropion – correction surgery);
   (c) Lagan – Bhedan&LekhanShastrkarma (Chalazion – Incision and drainage/ curettage);
   (d) AghatakVartmaArbud – Chhedan Karma (Benign Lid tumour – Excision Surgery).
2. ShuklagatRog:-
   Arma – ChhedanShastrakarma (pterygium- excision & conjunctivallimbal autograph/amniotic membrane graft).
3. KrushnagatRog:-
   Ajakajat – Chhedan Karma (Iris Prolapse-excision surgery).
4. SarvagatRog:-
   Adhimanth – BhedanShastrakarma (Glaucoma-trabeculectomy).
5. Nayanabhighat (Trauma to eye):- Bhroo, Vartma, Shuklamanadal, Krushnamandalabhighat – SandhanShastrakarma. (Injury to the eye brow, lid, conjunctiva, sclera and cornea- trauma repair surgery).
6. Tiryaknetra:- PrakrutnetrasthapanShastrkarma (Squint surgery- Esotropia, Exotropia, Horizontal muscle resection and recession).
7. Puyalas: – Bhedan/ Chhedanshastrkarma (Dacrocystitis- DCT/ DacrocystoRhinostomy [DCR]).
8. Linganash (Kaphaj) Shastrakarma- cataract surgery- cataract extraction with IOL implantation surgery:-
   (a) Intracapsular cataract extraction (ICCE);
   (b) Extra capsular cataract extraction (ECCE);
   (c) Small incision cataract surgery (SICS);
   (d) Phacoemulsification

Types of IOL:-

(I) PCIOL;
(II) ACIOL;
(III) Iris Fixated IOL.

9. Sthaniksangyharan (Local Anesthesia) in eye. (ophthalmology):-

(a) Peribulbar;
   a) Retrobulbar;
   b) Parabulbar;
   c) Intra Cameral.

Nasa (Nose)

1. Nasajavanikavakrata – shastrakarma (deviated nasal septum surgery- septoplasty / SMR).
2. Nasarsh – ChhedanShastrakarma (Nasal polyp polyoectomy).

   Knowledge of FESS surgery – Functional endoscopic sinus surgery.
3. Aghatajnasavikruti – nasasandhan (deformed nose – rhinoplasty).

Karna (Ear)

- Karnapalisandhanshastrakarma (torn ear lobule- lobuloplasty).
- Ashukarimadhyakarnashoth – Bhedanshastrakarma (acute supurative otitis media/ glue ear/ secretory or serous otitis media- Myringotomy).
- Knowledge of JirnaMadhyakarnaShothshastrakarma (Chronic Supurative Otitis Media- safe:- tympanoplasty unsafe: - mastoidectomy).

Mukharoga

1. Galrog (throat diseases):-

   Pharynx:

   (a) Ashukarigilayuvruddhi – BhedanShastra karma (peritonsillar abscess – quincy) – incision and drainage;

   (b) Jirnagilayushoth – GilayuNirharanShastrakarma (Chronic Tonsillitis – Tonsillectomy).
2. Oshthagat – Oshthabhed – Sandhan Karma (hair lip repair).

DantaRog

1. Chaldanta – DantaNirharan (Loose Tooth Extraction).
2. Krumidanta – Lekhan&Puranshastrakarma (Carries Tooth/Teeth- Root Canal Treatment).".

SHAMSHAD BANO, Registrar-Cum-Secy.

[ADVT.-III/4/Exty./372/2020-21]

Note : The principal regulations were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-III, Section 4, *vide* notification No. 4-90/2016-P.G. Regulation, dated the 7th November 2016 and were last amended *vide* notification No. 4-90/2018-P.G. Regulation (Ayurved), dated 24th July, 2019, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-III, Section 4,dated the 29th July, 2019.

[If any discrepancy is found between Hindi and English version of "Indian Medicine Central Council (Post Graduate Ayurveda Education) Amendment Regulations, 2020", the English version will be treated as final.]

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054. MANOJ KUMAR VERMA